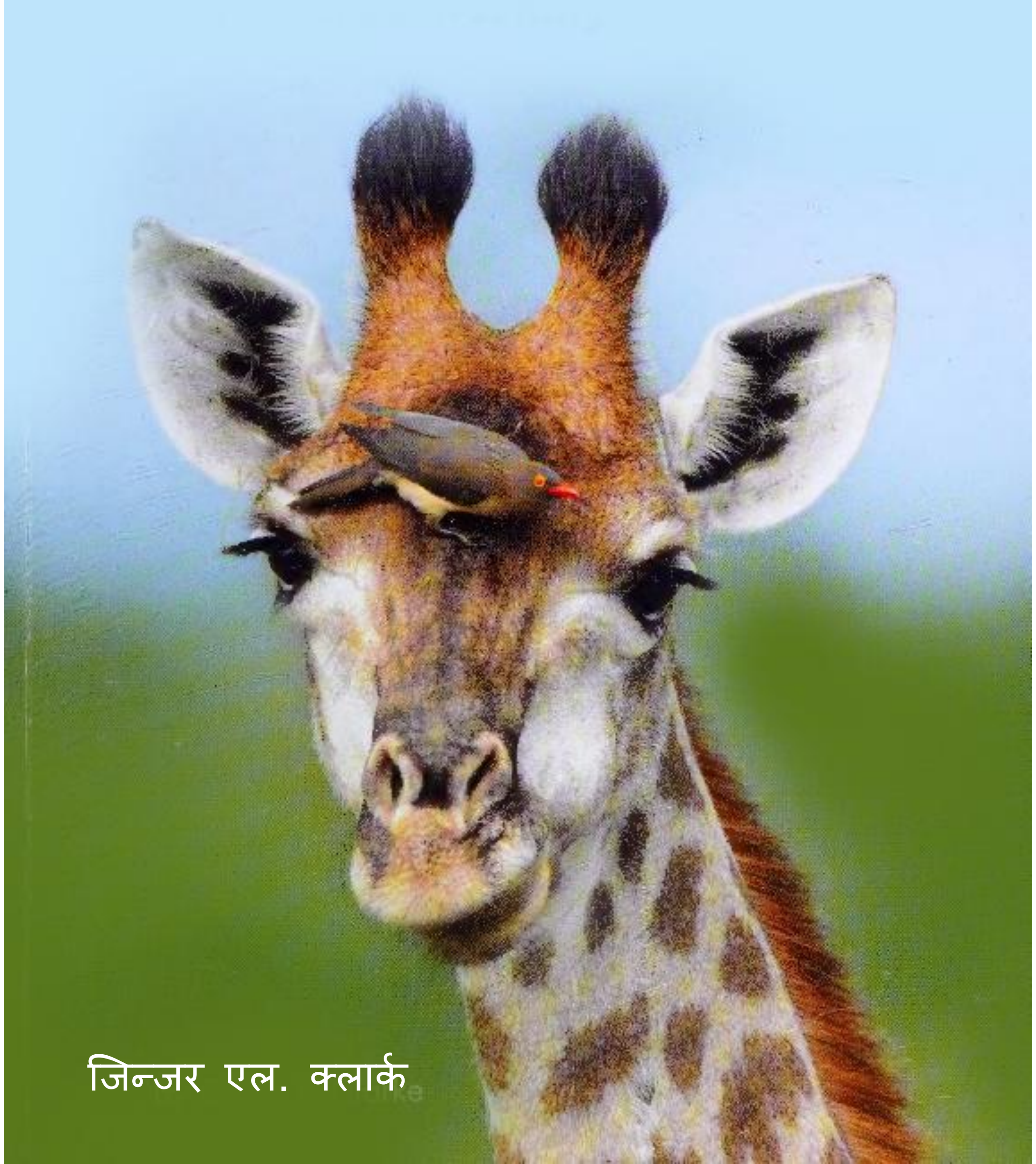
पशु सहयोगी

एक-साथ काम करने वाले जीव



जिन्जर एल. क्लार्क

पशु सहयोगी

एक-साथ काम करने वाले जीव



जिन्जर एल. क्लार्क

परिचय

कई जानवर दूसरे जानवरों की मदद करते हैं. कुछ एक-दूसरे को खतरे से बचाते हैं. कुछ सफ़ाई सेवाएँ प्रदान करते हैं. कुछ अपने घर साझा करते हैं. कोयोट और अमेरिकी बिज्जू तो साथ मिलकर शिकार भी करते हैं, हालाँकि वे भोजन के लिए प्रतिस्पर्धा भी करते हैं.

ये सभी जानवर सहयोगी जीव हैं. वे अपने कौशलों को आपस में मिलाते हैं, इसलिए वे एक साथ बेहतर होते हैं. इस टीमवर्क को सहजीवन कहा जाता है. जीवों के एक-साथ काम करने के कारण आश्चर्यजनक हो सकते हैं. आइए जानें कि कौन से जानवर एक-दूसरे के सहयोगी हैं!





पक्षी मित्र

ज़्यादातर पक्षी बड़े मुँह और नुकीले दाँतों वाले जानवरों से दूर रहते हैं. लेकिन मिस्र का छोटा प्लोवर पक्षी उनसे डरता नहीं है. कुछ लोग कहते हैं कि वो नील नदी में मगरमच्छ के मुँह में कूद जाता है!

मगरमच्छ के दाँतों में खाने के टुकड़े फँस जाते हैं. जब उसे खाने से छुटकारा पाने में मदद चाहिए होती है, तो वो अपना मुँह चौड़ा कर लेता है. निकालो, साफ़ करो! बहादुर प्लोवर, मगरमच्छ के दाँत साफ़ करने और नाश्ता खाने के लिए उसके मुंह के अंदर कूद जाता है. मगरमच्छ पक्षी को खाता नहीं है, बल्कि वह उसकी मदद का शुक्रगुज़ार होता है.





कुछ पशु साथी मदद देते भी हैं, और साथ में मदद लेते भी हैं. इस प्रकार के सहजीवन को पारस्परिकता कहा जाता है क्योंकि उनके कार्य एक-दूसरे के लिए परस्पर होते हैं. इसमें सबकी जीत होती हैं!

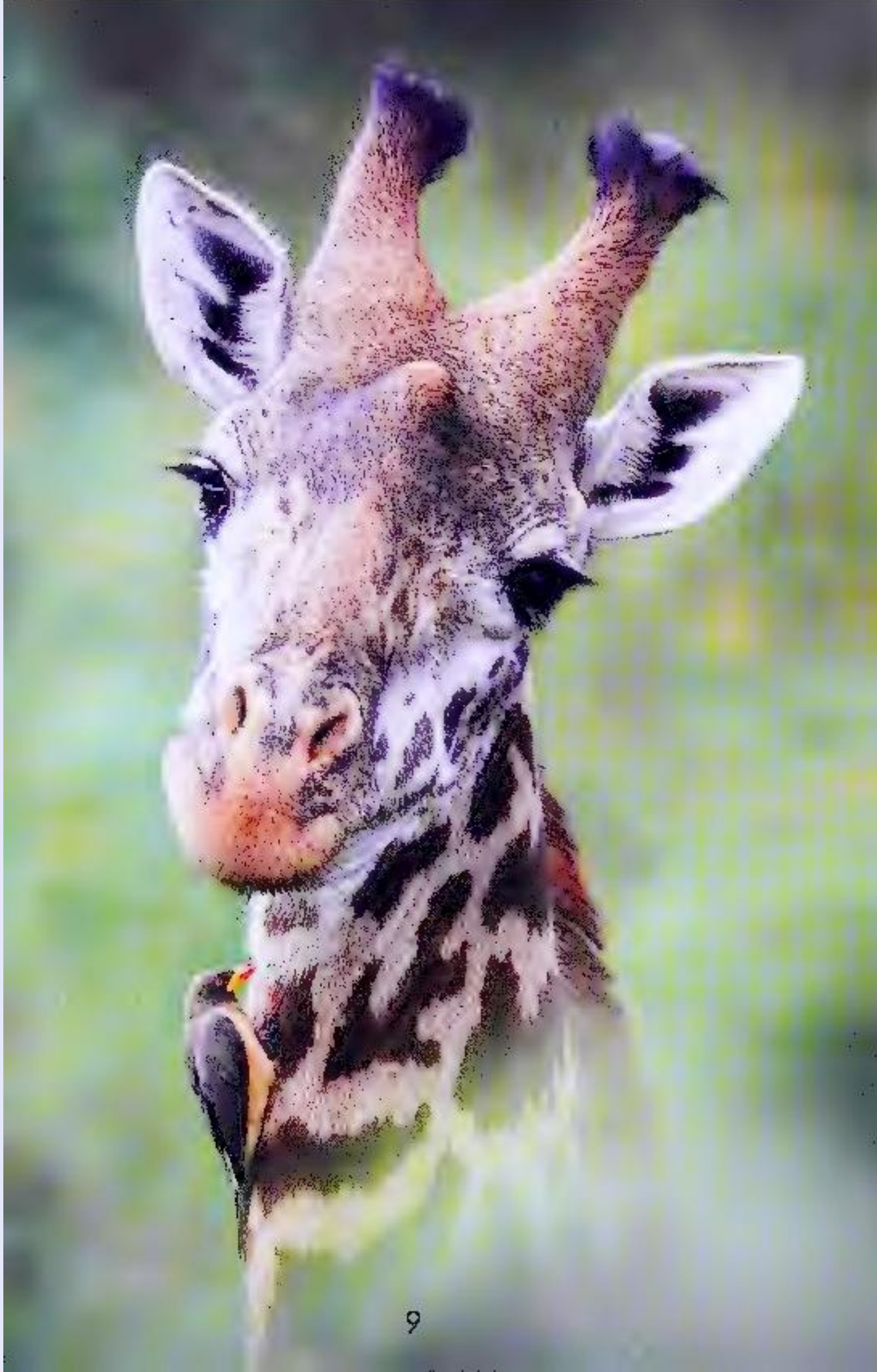


सफाई सेवाएँ प्रदान करने वाला एक और पक्षी ऑक्स पेकर है. इसे "टिकबर्ड" भी कहा जाता है. क्यों? यह बड़े अफ़्रीकी जानवरों के खून चूसने वाले टिक्स को खाता है.

ऑक्स पेकर अपनी चोंच से जिराफ़ की गर्दन नोचता है. वो वहां जो टिक्स पाता है वो उन्हें खा जाता है और टिक्स के अंदर का खून भी पी जाता है. वो ज़ेबरा के कान के अंदर भी चोंच मारता है.

सफाई के दौरान जिराफ़ सो जाता है. चीख! ऑक्स पेकर ज़ोर से आवाज़ करता है और जिराफ़ को जगाने के लिए अपने पंख फड़फड़ाता है. वो जिराफ़ को खतरे से आगाह करता है. यह पक्षी मित्र अपने दोस्त को साफ़ और सुरक्षित रहने में मदद करता है.







कैटल एग्रेट यानी बगुले के भी बड़े दोस्त होते हैं.

स्टंप! एक गैंडा धीरे-धीरे आगे बढ़ता है. उसके पैरों की गति से घास में छिपे ढेर सारे टिड्डे अचानक हवा में उड़ जाते हैं. वे गैंडे के बड़े पैरों से बचने की कोशिश करते हैं. झपट! बगुला भागते हुए कीड़ों को झपट लेता है.

बदले में, बगुला निगरानी रखता है क्योंकि गैंडे की नज़र काफी कमज़ोर होती है. बगुला गैंडे की पीठ पर बैठ जाता है. जब वह किसी शिकारी को देखता है तो वो बहुत तेज़ शोर मचाता है; फिर गैंडा कहीं सुरक्षित जगह पर चला जाता है. देखो वो पंख वाला दोस्त कितना अच्छा है!



गैंडों के विपरीत, शुतुरमुर्गों की नज़र अच्छी होती है. उनकी लंबी गर्दन उन्हें बहुत दूर तक देखने में मदद करती है. लेकिन जब वे घास खाने के लिए अपनी गर्दन नीचे करते हैं, तो फिर कोई भी उनपर चुपके से हमला कर सकता है. ज़ेबरा ठीक से नहीं देख सकते, लेकिन उनकी सुनने की क्षमता बहुत अच्छी होती है. इसलिए वे सतर्क रहते हैं!

शुतुरमुर्ग और ज़ेबरा अक्सर समूहों में यात्रा करते हैं. वे बारी-बारी से खाते हैं, जिससे कि एक हमेशा नज़र रख सके. एक शेर समूह के पास आता है. ज़ेबरा सबसे पहले उसकी आवाज़ सुनते हैं और वे चेतावनी देते हैं. रें, रें! दूर हो जाओ! शुतुरमुर्ग उड़ नहीं सकते, लेकिन वे तेज़ी से दौड़ ज़रूर सकते हैं.







एक बहुत छोटा अफ़्रीकी पक्षी हनीगाइड है. यह हनी बिज्जू की दोस्त है, जो दुनिया के सबसे मज़बूत जानवरों में से एक है. इन दोनों का नाम उनके पसंदीदा भोजन के नाम पर पड़ा है. वह क्या है? शहद, बिल्कुल! लेकिन वे साथ मिलकर काम किए बिना शहद नहीं पा सकते.



चतुर हनीगाइड मधुमक्खियों का पीछा करके उनके पेड़ों तक उनके छत्ते ढूँढ़ती है. लेकिन यह छोटा पक्षी इतना मज़बूत नहीं है कि वो छत्ते को तोड़ सके. चहचहाहट, चहचहाहट! पक्षी हनी बिज्जू को सचेत करता है और उसे छत्ते तक ले जाता है. हनी बिज्जू छत्ते को चीरकर शहद चूसता है. फिर हनीगाइड छत्ते को खा जाता है. वाह!



पानी के जीव

शार्क भले ही डरावनी लगें, लेकिन वे अच्छी साथी भी हो सकती हैं. टाइगर शार्क एक रेमोरा मछली को मुफ़्त में सैर कराती है. इस छोटी मछली को "शार्क-सकर" उपनाम दिया गया है. चूसो! उस मछली का एक चपटा सिर और एक ख़ास डिस्क होती है जो शार्क को चूसती है.





शार्क बहुत गंदे तरीके से खाना खाती हैं. रेमोरा को मुफ़्त खाना मिलता है मानो वह शार्क के बचे हुए खाने को खा रही हो. इससे शार्क की त्वचा साफ़ रहती है. शाबाश!

रेमोरा दूसरी तरह की शार्क, कुछ व्हेल, समुद्री कछुए और बड़ी स्टिंगरे मछलियों को भी चूसती हैं. कभी-कभी तो ये इंसानी गोताखोर की त्वचा से भी चिपक जाती हैं!

क्लीनर रैस कई समुद्री जीवों की मदद करता है. कैसे? यह उनके दाँत साफ़ करता है! हिलो, हिलो! रैस नाचकर दिखाता है कि वह काम करने के लिए तैयार है.



मुँह खोलो! एक मोरे ईल हिलती है और अपना मुँह खोलती है. रैस अंदर तैरती है. कुतर-कुतर! वो ईल के दाँतों और गलफड़ों से खाना निकालती है. ईल आसानी से मछली को खा सकती है, लेकिन वो अपने सहायक को कोई नुकसान नहीं पहुंचती है.



कई बार रैस के ग्राहक अपनी बारी का इंतज़ार करने के लिए लाइन में लग जाते हैं. रैस तेज़ी से काम करता है. यह एक घंटे में 300 से अधिक बड़ी मछलियों को साफ कर सकती है!

सी-एनीमोन देखने में एक पौधे जैसा लगता है, लेकिन असल में वो एक साधारण जीव है. एनीमोन मछलियों को डंक मारता है और उन्हें खा जाता है. लेकिन क्लाउनफ़िश को नहीं! यह रंग-बिरंगी मछली सी-एनीमोन में सुरक्षित रूप से छिप सकती है. एनीमोन के तंतुओं के ज़हर से उसे कोई नुकसान नहीं पहुंचता है. और यह एनीमोन को भोजन प्राप्त करने में मदद करती है.

क्लाउनफ़िश के चटख रंग एक और मछली को पास तैरने के लिए प्रेरित करते हैं. धम्म! मछली को डंक लगता है. धम्म! एनीमोन, उस मछली को अपने नलीनुमा मुँह में खींच लेता है. क्लाउनफ़िश बचे हुए टुकड़ों को सफाचट्ट कर देती है.

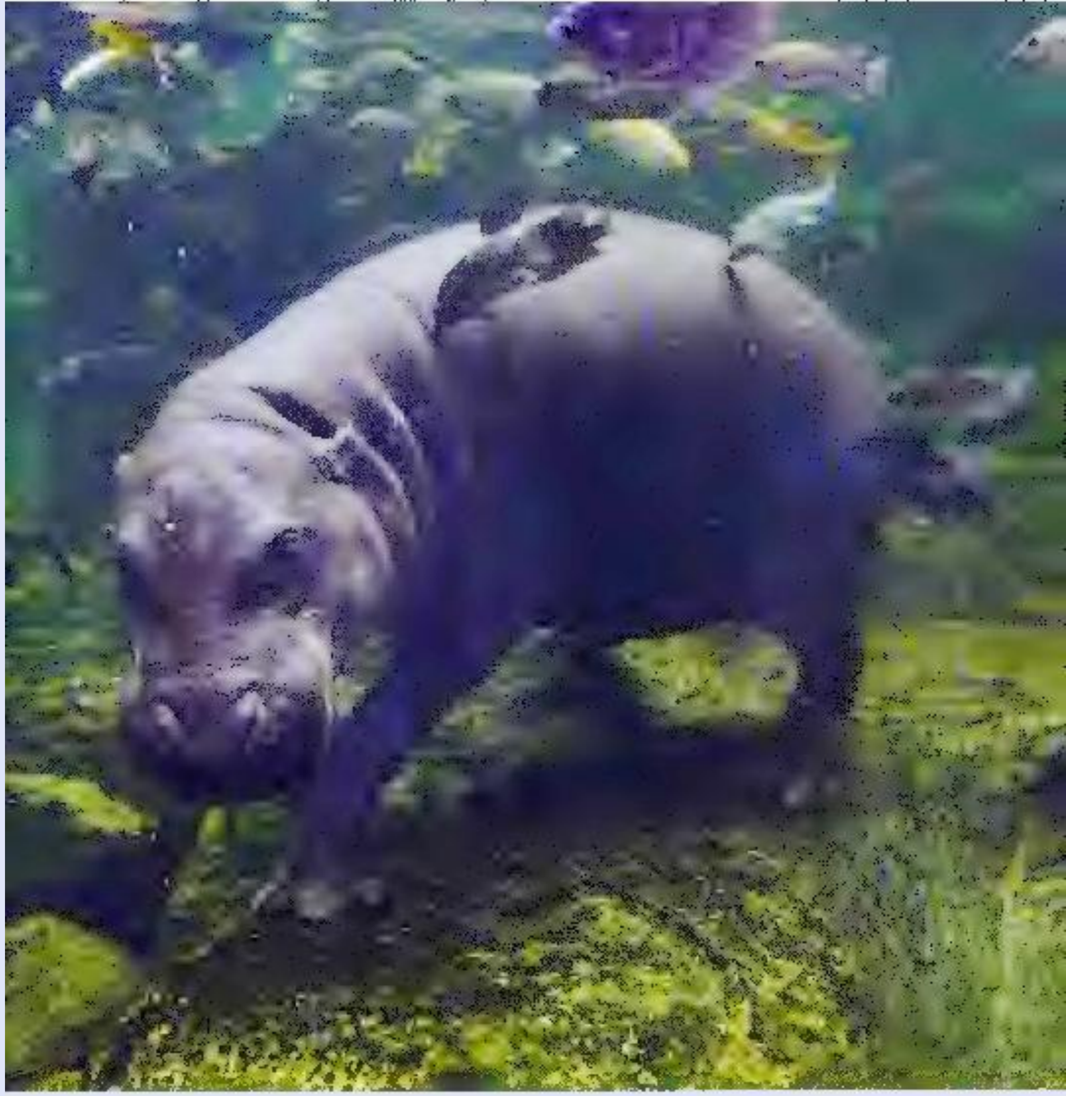




दरियाई घोड़े (हिप्पोपोटामस) के कई मददगार साथी होते हैं. यह अपना ज़्यादातर समय पानी में बिताता है. दरियाई घोड़े की त्वचा कीड़ों और शैवाल से ढक जाती है—छोटे जलीय पौधे. वो इन कीटों को वो खुद नहीं हटा सकता है.

लीजिए दरियाई घोड़े की सफ़ाई टीम आ गई है! एक अफ़्रीकी हेलमेट वाला कछुआ दरियाई घोड़े की पीठ पर चढ़ जाता है. वो कुतरता है! यह पौधों को खाता है और धूप सेंकता है. तभी एक ऑक्सपेकर नीचे उतरता है और कुछ स्वादिष्ट टिक्स खाता है. क्रंच!





सफाई दल के अंतिम सदस्य लैबो मछलियाँ हैं. वे दरियाई घोड़े पर और उसके विशाल मुँह के अंदर तैरकर उसकी त्वचा, दाँत और जीभ साफ़ करती हैं. ये सब कितने मददगार जीव हैं!



समुद्री इगुआना दुनिया की एकमात्र छिपकली है जो समुद्र में रहती है. उसका एकमात्र भोजन शैवाल है. पानी में रहने से इगुआना के शरीर पर बहुत सारे कीड़े चिपक जाते हैं. उसका क्लीनर रंग-बिरंगा लाइट फुट केकड़ा होता है.

इगुआना एक चट्टान पर धूप सेंक रही है. स्किटर! एक बड़ा लाल केकड़ा इगुआना पर रेंग रहा है. जल्दी करो! केकड़ा जल्दी से इगुआना से टिक्स और मृत त्वचा उठाता है और भाग जाता है. सुरक्षित स्थान पर केकड़ा टिक्स और त्वचा को स्वादिष्ट नाश्ते की तरह खाता है.

हालाँकि, इगुआना और केकड़ा मित्र-शत्रु जैसे हैं. कभी-कभी विशाल केकड़ा एक छोटे इगुआना को चुराकर खा जाता है.

हे भगवान!



छोटे मित्र

एफिड्स छोटे-छोटे कीड़े होते हैं जो पौधों पर रहते हैं और उन्हें नुकसान पहुँचाते हैं. लेकिन काली चींटियाँ एफिड्स को खाना पसंद करती हैं. नहीं, चींटियाँ एफिड्स नहीं खातीं! वे उनसे शहद भी प्राप्त करती हैं.





एफिड्स पौधों से रस चूसते हैं. यह चीनी उनके शरीर में शहद बन जाती है. टप! टप! चींटियाँ शहद छोड़ने के लिए एफिड्स को उनकी पीठ पर छूती हैं.

चींटियाँ शहद पीती हैं और बचा हुआ शहद अपने घोंसलों में जमा कर लेती हैं. बदले में, वे एफिड्स की अच्छी देखभाल करती हैं. वाह! वे उन लेडीबग्स पर भी हमला करती हैं जो एफिड्स को पकड़ने और मारने की कोशिश करते हैं.

पेड़ की चींटियाँ और रूफस कठफोड़वा भी अजीब साथी हैं क्योंकि वे कभी-कभी दुश्मन भी होते हैं. कठफोड़वा आमतौर पर बहुत सारी पेड़ की चींटियों को खाता है. फू! पेड़ की चींटियाँ भी कठफोड़वे को डंक मारती हैं. वे पेड़ पर लटके अपने घोंसले की रक्षा करती हैं.

फिर बसंत में कुछ आश्चर्यजनक होता है. चींटियाँ घोंसला बनाती हैं. वे उसमें एक छेद छोड़ जाती हैं जिससे मादा रूफस कठफोड़वा उसके अंदर अपने अंडे दे सके. वाह!





चींटियाँ, कठफोड़वा के चूज़ों के अंडे सेने के बाद उन्हें अकेला छोड़ देती हैं. मादा पक्षी अपने घोंसले का इस्तेमाल करने के लिए चींटियों को धन्यवाद नहीं देती. वह घोंसले की रखवाली तब तक करती है जब तक चूज़े चले नहीं जाते. उसके बाद पक्षी और चींटियाँ फिर से दुश्मन बन जाते हैं—अगले बसंत तक!

कुछ जीव दूसरों की मदद करते हैं लेकिन बदले में उन्हें कुछ नहीं मिलता. वैसे मदद करने से उन्हें कोई ख़ास नुकसान नहीं होता है, इसलिए उन्हें कोई आपत्ति भी नहीं होती. इसे सहभोजिता कहते हैं. सहभोजिता का अर्थ है "साथ मिलकर खाना."

छद्म बिच्छू या "नकली" बिच्छू—एक छोटा जीव है. वो बिना डंक वाले बिच्छू जैसा दिखता है. वो उड़ नहीं सकता है और न ही तेज़ी से चल सकता है. इसलिए वो किसी सवारी को पकड़ लेता है!

एक मक्खी पास में बैठती है. एक छद्म बिच्छू अपने चिमटे से मक्खी को धीरे से पकड़ लेता है. उड़ते समय यह शिकारियों से सुरक्षित रहता है. जहाँ जाना होता है वहाँ पहुँचने के बाद वो सो जाता है. वह घरबार से पूरी तरह मुक्त है!



बैक्टीरिया बहुत छोटे जीव होते हैं. वे हर जगह पाए जाते हैं, यहाँ तक कि आपके शरीर में भी. उफ़! लेकिन कुछ बैक्टीरिया उन जीवों के लिए उपयोगी होते हैं जिन्हें वे अपना घर कहते हैं. वे आपको और दूसरे जानवरों को खाना पचाने में मदद करते हैं.





विशाल पांडा आमतौर पर सिर्फ़ एक ही चीज़ खाता है—बाँस. चबाओ; चबाओ! पांडा इतना बाँस खाता है कि उसे पचाने के लिए उसे मदद की ज़रूरत पड़ती है. यहाँ पर बैक्टीरिया उसके काम आते हैं! पांडा के पेट में मौजूद अच्छे बैक्टीरिया उसे स्वस्थ और खुश रखते हैं.



स्लॉथ के कीट साथी भी होते हैं. स्लॉथ पतंगे केवल स्लॉथ के फर में ही रहते हैं. वयस्क पतंगे शैवाल खाते हैं. लेकिन छोटे पतंगे कुछ खास खाते हैं—स्लॉथ का मल! छी!

एक स्लॉथ केवल पौधे खाती है. उसके फर के अंदर भी पौधे रहते हैं. स्लॉथ इतनी धीमी गति से चलती है कि उसका फर हरे शैवाल से ढका होता है. शैवाल उसे पेड़ों के साथ घुलने-मिलने में मदद करते हैं. छोटे पौधे स्लॉथ के लिए कुछ उपयोगी भोजन भी प्रदान करते हैं.



सहायक घर

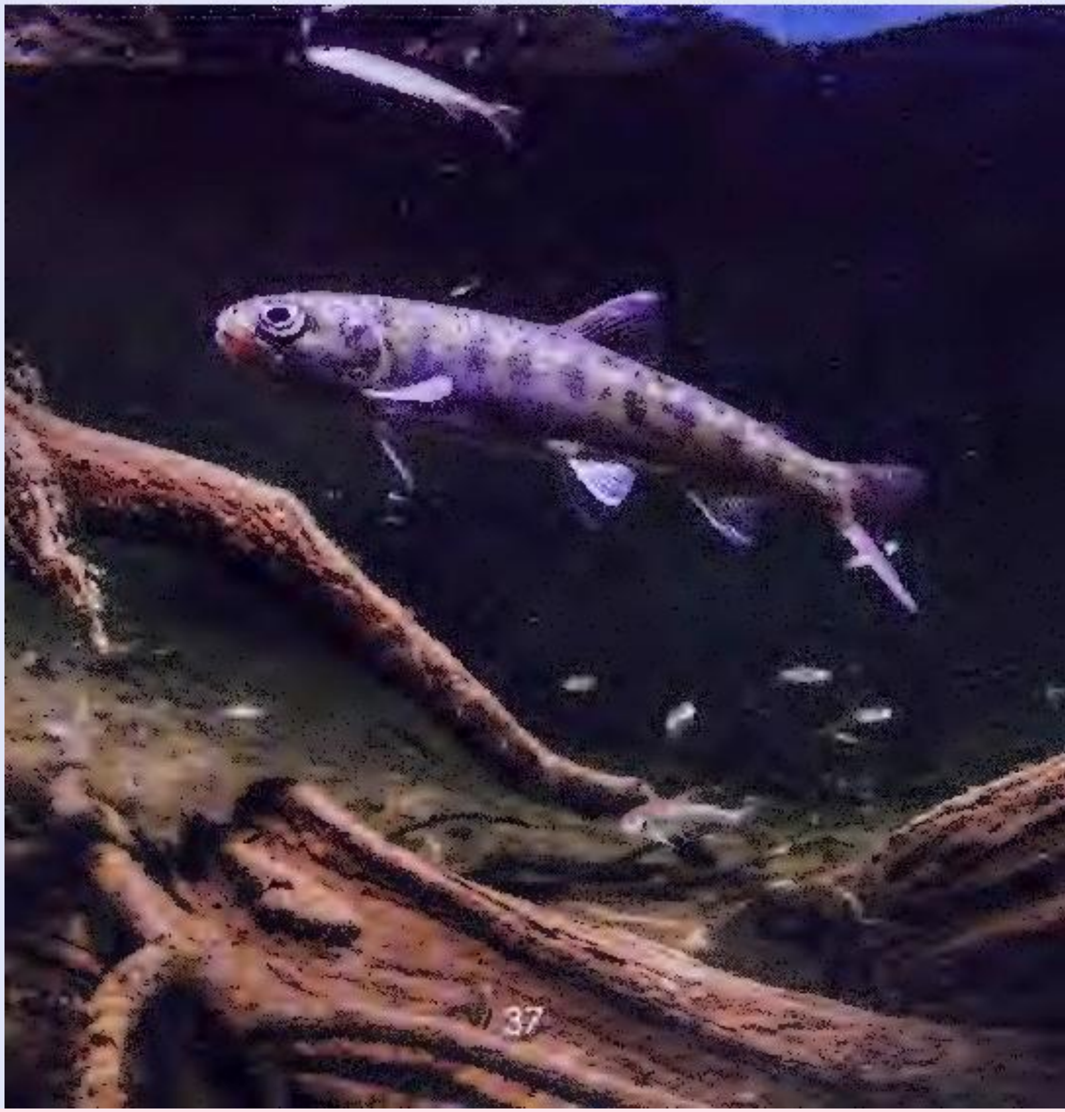
ऊदबिलाव एक महत्वपूर्ण पशु साथी है. वो नदी के क्षेत्र को बदलकर वहां रहने वाले कई नदी जीवों की मदद करता है.



चूँ, चूँ! ऊदबिलाव छोटे पेड़ों को तब तक काटता है जब तक वे गिर न जाएँ. फिर वह पेड़ों को हिलाकर एक बाँध बनाता है जो तेज़ बहती नदी को तालाब में बदल देता है. वह पानी के नीचे सुरंगें भी खोदता है. ऊदबिलाव बहुत मेहनती होता है.



अब सैल्मन और मेंढक शांत पानी में अपने अंडे दे सकते हैं. हंस और बत्तखें बाँध पर घोंसले बनाते हैं. और ऊदबिलाव सुरंगों में अपने बच्चे पैदा करते हैं. वे सभी ऊदबिलाव के तालाब में एक साथ रहते हैं. कितना खुशहाल घर है!



गोफर कछुआ दूसरे जानवरों के लिए भी घर बनाता है. इसका नाम गोफर के नाम पर पड़ा है, जो एक बड़ा चूहा होता है और जो ज़मीन के नीचे बिल बनाता है. खोदो, खोदो! गोफर कछुआ रेत में एक बड़ा बिल बनाता है. यह लगभग 25 फीट लंबा और 10 फीट गहरा हो सकता है.





300 से ज़्यादा विभिन्न प्रकार के जानवर कछुए के घर का इस्तेमाल करते हैं. गोफर मेंढक और पूर्वी नील के साँप, दोनों गर्मियों में गर्मी से बचने के लिए वहाँ रहते हैं. जंगल में आग लगने के दौरान जानवरों के छिपने के लिए यह बिल एकमात्र सुरक्षित जगहों में से एक है.





भागो, भागो! यह नन्हा मेंढक साँपों से बचने के लिए बड़ी मकड़ी के नीचे छिप जाता है. मेंढक, मकड़ी का बचा हुआ खाना अपने टैडपोल को भी खिलाता है. मेंढक मकड़ी के अंडे खाने वाली चींटियों को खाकर मकड़ी की मदद करता है.



लेसरब्लैक टारेंटयुला भी बिल बनाता है. वो दिन के समय में बिल में सोता है. रात में, वो कीड़ों और मेंढकों का शिकार करता है. लेकिन मकड़ी एक जानवर को अपने बिल में रहने देती है—एक छोटे मेंढक को!

बिंदीदार गुनगुनाता मेंढक इस मकड़ी का दोस्त लगता है. दोनों जीव अपने अंडे भी साथ-साथ देते हैं. यह सब कितना प्यारा है!

दीमक एक विशाल मिट्टी का घर बनाते हैं जिसे टीला कहते हैं. जब उनकी रानी मर जाती है तो वे टीले को छोड़ देते हैं. फिर यह टीला कई अन्य जानवर मित्रों का घर बन जाता है. सबसे पहले, बौने नेवले का एक परिवार वहाँ रहने आता है.



लेकिन नेवले बहुत गंदे होते हैं. इसलिए वे टीले को एक प्लेटेड छिपकली के साथ साझा करते हैं. छिपकली उनके घर को साफ-सुथरा रखती है. कैसे? वो नेवले का मल खाती है!



बौने नेवले हॉर्नबिल पक्षी के साथ भी काम करते हैं. वे साथ मिलकर कीड़ों की तलाश करते हैं. नेवले उन कीड़ों को पकड़ लेते हैं जिन्हें नेवले खोदकर निकालते हैं. खतरा देखकर पक्षी चिल्लाता भी है. चीखो! भागो, चलो मत! फिर नेवले जल्दी से अपने टीले पर लौट आते हैं.





गोबी एक छोटी मछली है जो समुद्र तल पर रहती है. वो खुदाई नहीं कर सकती, इसलिए वो एक अंधे झींगे के साथ एक-ही घर में रहती है. झींगे के पास गड्ढा खोदने के लिए बड़े पंजे होते हैं, लेकिन वो देख नहीं सकता है. इसलिए गोबी निगरानी का काम करती है.

झाँकें! अगर सब शांत हो, तो गोबी सबसे पहले तैरकर बाहर आ जाती है. झींगा उसका पीछा करता है और अपने स्पर्शकों से मछली की पूँछ को छूता है. उई! गोबी एक शार्क को देखती है. वह झींगे को संकेत देने के लिए अपनी पूँछ हिलाती है. फिर वे वापस अंदर तैरते हैं.

झींगा रेत से गड्ढे को बंद कर देता है. वे एक साथ सुरक्षित रूप से अंदर घुस जाते हैं.





आह! आह! पहरेदार कुत्ते चोर अलार्म की तरह काम करते हैं. वे खतरा देखते, सुनते या सूंघते ही भौंकते हैं. इससे लोग आगाह हो जाते हैं और कोई भी परेशानी दूर रहती है.

कुत्ते और भी कई काम करते हैं. वे स्लेज खींचते हैं, पक्षियों का शिकार करते हैं, भेड़ों को चराते हैं, और उन लोगों को रास्ता दिखाते हैं जो ठीक से देख नहीं सकते. कई कुत्ते गले लगाने और चूमने में माहिर होते हैं. वाह!



सबसे अच्छा पशु मित्र कौन है?

कुत्ते!

वे कई इंसानों के सबसे अच्छे दोस्त होते हैं.

कुत्ते हज़ारों सालों से इंसानों के साथ रहते आए हैं. वे उन लोगों के साथ रहे जो उन्हें खाना देते हैं और बदले में वो लोगों की रक्षा करते हैं.



कुछ जानवर अपने दोस्तों की थोड़ी सी मदद से घुल-मिल जाते हैं. यहाँ तक कि जो जानवर एक-दूसरे को चोट पहुँचा सकते हैं या खा सकते हैं, वे भी कुछ समय के लिए एक-साथ रह सकते हैं. कई जीव एक साथ मिलकर काम करके सबसे अच्छा जीवन जीते हैं. क्या आप भी उनके सहयोगी बन सकते हैं?



समाप्त